उच्च शिक्षा विभाग के अन्य महत्त्वपूर्ण संस्थान व परिषदें

Dr. Mukesh Pancholi

Indian Institute of Advance Study (IIAS)

भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान – शिमला, 1964

स्थापना –

पूर्व राष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन (दार्शनिक, राजनेता) व पूर्व PM पंडित जवाहर लाल नेहरू के सामान्य दृष्टिकोण के कारण इंडियन इंस्टीट्यूट of Advance Study society को 6 अक्टूबर, 1964 को सासाइटीज एक्ट 1860 के तहत् पंजीकृत किया गया। इसका आपैचारिक उद्घाटन एस. राधाकृष्णन द्वारा किया गया।

वर्तमान अध्ययक्ष – कपिल कपूर (2018 से)

वर्तमान निदेशक – प्रो. मरकंद आर. पराजये

Dr. Mukesh Pancholi

उद्देश्य –

MOA के तहत् संस्थान का प्राथमिक उद्देश्य मानविकी, सामाजिक व प्राकृतिक विज्ञानों में 'शैक्षिक अनुसंधान के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करना था।'

सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. जाकिर हुसैन थे।

अक्टूबर, 1975 में इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक शोध केन्द्र के रूप में मान्यता दी गई।

अध्ययन के क्षेत्र –

यह संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान का मार्गदर्शन करता है।

इस संस्थान के अनुसार शोध का क्षेत्र/विषय ऐसे हो जिनके लिए आवश्यक प्रारंभिक सुविधाएं अधिक महंगी न हो और विषय गहरा मानवीय तत्व वाला हो।

Dr. Mukesh Panchol

संस्थान ने अध्ययन के कुछ क्षेत्र परिभाषित किए है, ये निम्न है –

सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक दर्शन; तुलनात्मक भारतीय साहित्य, दर्शन व धर्म में तुलनात्मक अध्ययन, विश्व-विचारों का विकास, तर्क व गणित की समस्याएं, शिक्षा-साहित्य, संस्कृति प्रदर्शनक कला, शिल्प कला, प्राकृतिक व जीव-विज्ञान की समस्याएं, एशियाई पड़ोसी देशों की सभ्यता, राष्ट्रीय एकीकरण आदि।

इस संस्थान को कुछ विशेष क्षेत्रों में ध्यान देने के लिए भी चिह्नित किया गया है, जैसे –

भारतीय एकता में विविधता, भारतीय चेतना की अभिन्नता, भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा का दर्शन, आध्यात्मिकता का संश्लेषण, भारतीय महाकाव्य व मानव पर्यावरण का तुलनात्मक अध्ययन भी इसी दायरे में आते है।

Dr. Mukesh Pancholi

Fellowship (अध्येतावृत्ति) –

संस्थान के तीन प्रकार की Fellowship Programme है –

i. राष्ट्रीय अध्येता वृत्ति (Fellowship)
ii. Fellows (नियमित)
iii. टैगोर फैलोशिप

- फलोशिप की अवधि 2 वर्ष अधिकतम (6 माह, 1 वर्ष या 2 वर्ष तक) हो सकती है। शोध के विषयानुसार हो सकती है।
- इनका औपचारिक सत्र 01 मार्च से 15 दिसम्बर तक होता है; 16 दिसम्बर से 28 फरवरी तक winter break तब fellows field work आदि शिमला से बाहर करते है।

Dr. Mukesh Pancholi

- जब शोध कार्य पूरा हो जाता है, तो इन्हें अपनी रिपोर्ट Manograph के रूप में जमा करवानी होती है, इस Manograph को सर्वप्रथम प्रकाशित करने का अधिकार संस्थान के पास रहता है।
- अध्येवेत्ता (Fellows) के अलावा Visitor छात्र, visiting professor, guest scholar आते है।
- Visiting professor को BOG (Board of Governor) द्वारा Lectures के लिए, सेमिनार में बुलाया जाता है, जहां ये 4 सप्ताह तक रह सकते है।

Dr. Mukesh Panchal

अन्य –

अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र –

अप्रैल, 1991 से, यूजीसी की ओर से, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान ने मानविकी व सामाजिक-विज्ञान के लिए अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र के रूप में कार्य करना शुरु किया।

इस कार्यक्रम के तहत् विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को एसोसिएट के रूप में संस्थान में रहने के लिए चुना जाता है। वह लगातार 3 वर्ष तक एक माह के लिए संस्थान में आते है। इसमें वे दो कार्यक्रमों में भाग लेते है, प्रथम – मानविकी व सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के अग्रिम क्षेत्रों में शोध संगोष्ठी व दूसरा – 'अध्ययन सप्ताह'।

Dr. Mukesh Pancholi

टैगोर सेंटर –

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती पर, भारत सरकार के MHRD ने IIAS को संस्कृति व सभ्यता के अध्ययन के लिए 'टैगोर केन्द्र' के रूप में सम्मानित किया है।

पुस्तकालय व प्रकाशन –

संस्थान के पास 400 से अधिक प्रकाशन है। इसमें शोधकत्ताओं की रिपोर्ट, सेमिनार, संगोष्टियां, विजिटिंग प्रोफेसर द्वारा दिए व्याख्यान आदि शामिल है।

संस्थान एक समीक्षा पत्रिका, समरहिल भी प्रकाशित करता है।

Dr. Mukesh Pancholi

IIAS समीक्षा, जो संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की समीक्षा करता है।

इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर के तत्वाधान में एक द्वैमासिक पत्रिका 'स्टडीज इन Humanities & Social Science' भी प्रकाशित होती है।

Dr. Mukesh Pancholi

All India Survey of Higher Education (AISHE)–

देश में उच्च शिक्षा की स्थिति को चित्रित करने के लिए, MHRD ने 2010-11 से एक वार्षिक वेब-आधारित ऑल इंडिया सर्वे ऑन आयर एजुकेशन का संचालन करने का प्रयास किया है।

सर्वेक्षण में सभी संस्थानों को शामिल किया गया है, जो उच्च शिक्षा प्रदान करने में लगे हुए है।

शिक्षकों, छात्र नामांकन, कार्यक्रमों, परीक्षा परिणामों, शिक्षा, वित्त, बुनियादी ढांचे जैसे कई मापदंडों पर डेटा एकत्र किया जाता है।

Dr. Mukesh Panchal

शैक्षिक विकास के संकेतक जैसे कि संस्थान घनत्व, सकल नामांकन अनुपात, शिक्षक-छात्र अनुपात, लिंग समानता सूचकांक, प्रति छात्र व्यय भी AISHE के माध्यम से गणना की जाएगी। ये डाटा शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए नीतिगत निर्णय लेने व अनुसंधान करने में उपयोगी है।

Dr. Mukesh Pancholi